हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 89 देहरादून, शुक्रवार, 23 सितंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

रोड सेफ्टी क्रिकेट मैच में सीएम धामी का दिखा जोश 3

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत राष्ट्रपिता है, राष्ट्र ऋषि है, राष्ट्र सम्मान का प्रतीक है : चीफ इमाम उमेर इल्यासी

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली, 22 सितंबर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का अचानक कस्तूरबा गांधी मार्ग के गोल चक्कर पर स्थित इमाम हाउस पहुंचना,फिर मदरसे और मस्जिद में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना,उसके बाद लगभग एक घंटे तक मुस्लिम समाज से जुड़े मुद्दों पर चीफ इमाम ऑफ़ इंडिया उमेर इल्यासी के साथ विचार विमर्श करना,कोई छोटी बात नही है,ये स्वतंत्र भारत का वो शानदार लम्हा था जिसने आरएसएस की उस राष्ट्रवादी सोच का वो प्रदर्शन किया जो धर्म,संप्रदाय और जातियों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानती है।

भारत का ये एक स्वर्णिम पल था जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का तहे दिल से भारत के चीफ़ इमाम उमेर इल्यासी ने स्वागत किया,उसके बाद इल्यासी ने मोहन भागवत को देश का राष्ट्रपिता कहा ,राष्ट्र ऋषि कहा ,चीफ इमाम इल्यासी के ये शब्द राष्ट्रवादी मुस्लिम समाज की नज़र में स्वागत योग्य है,देश के चीफ़ इमाम उमेर इल्यासी के मुख से निकले ये शब्द उस राष्ट्रवादी मुस्लिम समाज के दिल की आवाज़ कहे जा सकते है जो ये चाहते है कि देश में अमन,चेन,सुख,शांति और तरक्की हो,देश खुशहाल हो,शक्तिशाली हो,विश्व नायक हो, राष्ट्रहित में सभी धर्म,संप्रदाय और जातियां एक जुट होकर

भारत को ₹विश्व नायक₹ बनाए।

आरएसएस प्रमुख और चीफ इमाम ऑफ़ इंडिया के बीच हुई ऐतिहासिक मुलाकात राष्ट्र सम्मान की नज़र से एक मज़बूत पहल है,उमेर इल्यासी ने मोहन भागवत के उस नजरिए की जमकर वकालत की जिसके तहत मोहन भागवत ने कहा था कि सब भारतीयों का डीएनए एक है,उमेर इल्यासी का कहना है कि मोहन भागवत सही कहते है कि भारतीय मुस्लिम हो या किसी भी मज़हब को मानने वाले सब एक है,सबका डीएनए एक है,सोच है, जज़्बा एक है,वेशभूषा और खानपान की शैली एक है सिर्फ़ इबादत का तरीक़ा,पूजा का तरीक़ा अलग है लेकिन हम सब एक है,राष्ट्र एक है इसलिए हम सबके लिए राष्ट्र सर्वोपरि है,संविधान सर्वोपरि है इसीलिए किसी भी राष्ट्रवादी को सच कुबूल करने में संकोच नहीं होना चाहिए।

उत्तराखंड को नशा मुक्त, एवं टी.बी मुक्त उत्तराखंड बनाएंगे : मुख्यमंत्री धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 22 सितम्बर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दि इण्डियन पब्लिक स्कूल परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा दि इण्डियन पब्लिक स्कूल श्रेष्ठ विद्यालय के रूप में उभर रहा है, विद्यालय शिक्षा में संस्कृति, वैदिक ज्ञान, योग जैसे विभिन्न पाठ्यक्रम को भी जोड़ा गया है। विद्यार्थियों के लिए यह विद्यालय विरासत है, उन्होंने कहा शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना सेवा का कार्य होता है, अच्छी शिक्षा से ही अच्छे भविष्य का निर्माण होता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री का जन्मदिवस सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है, संपूर्ण उत्तराखंड में इसे आगामी 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा, इस अवसर पर पूरे राज्य के अंतर्गत स्वच्छता, रक्तदान, संगोष्ठियां एवं सेवा के अन्य कार्यक्रम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा हमने भी संकल्प लिया है कि हम आने वाले समय में उत्तराखंड को नशा मुक्त, एवं टी.बी मुक्त उत्तराखंड बनाएंगे, उन्होंने कहा सेवा पखवाड़े के अंतर्गत शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया है, उन्होंने कहा हमें अपने जीवन में विकल्प रहित संकल्प के मंत्र के साथ अपने सपनों को साकार करने में जुट जाना चाहिए, उन्होंने कहा समय बहुत

बहुमूल्य होता है, जिसका सदुपयोग ही हमारे जीवन को सफल एवं सार्थक बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता के लिये समिति का गठन किया गया है, जल्द ही समिति के सुझावों के आधार पर फैसला लिया जाएगा। उत्तराखंड राज्य में नई शिक्षा नीति को लागू कर दी गई है एवं 2030 तक संपूर्ण राज्य में नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम शुरू किये जाए इसके लिए हम प्रतिबद्ध हैं, उन्होंने कहा आज ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से केदारनाथ में हो रहे पुनर्निर्माण कार्य का जायजा लिया है उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड राज्य के अंतर्गत रोड, रेलवे, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, जैसे प्रत्येक क्षेत्र में तिरुपति के साथ कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्कूल के चेयरमैन श्री आर.के. सिन्हा को जन्मदिन की शुभकामनायें भी दी। इस दौरान कार्यक्रम में विधायक सहदेव सिंह पुंडीर, रीता सिन्हा, विद्यालय निदेशक ए. के. सिंह, संयुक्त सचिव रत्ना सिन्हा, कार्यकारी प्रधानाचार्य मणि सीवी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

आपके हाथों में मेरा राजनीतिक भविष्य : हरीश रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 22 सितंबर , उत्तराखंड के पूर्व सीएम और कांग्रेस का बड़ा फेस माने जाने वाले हरीश रावत एक बार फिर चरचाओं में हैं। उन्होंने राहुल गांधी से कांग्रेस की कमान संभालने की अपील की है. सोशल मीडिया पर हरीश रावत ने लिखा है कि मैं अपने जीवन की एक बड़ी उलझन को सुलझाने जा रहा हूं, पहले पित्रों को याद करूंगा. पित्रों का आशीर्वाद लेकर भगवान बद्रीश की शरण में जाऊंगा. कोरोना के साथ भीषण संघर्ष के बाद जिंदा वापस आने पर मैंने अपने मन में आगे की राजनीतिक जीवन के विषय में मनन किया, मेरे मन ने कहा कि जितनी भी शक्ति व जीवन शेष है, आप राहुल गांधी को समर्पित करो.

हरीश रावत ने लिखा है कि आप पार्टी के लिए दो काम कर सकते हैं, चुनाव के वक्त प्रचार कर वोट इकट्ठा करने का. दूसरा काम आप संगठनात्मक कर सकते हो, लोगों को निरंतर पार्टी के साथ जोड़ने का. राहुल अध्यक्ष पद संभालते हैं तो उनके साथ खड़े होकर संगठन में काम करने की स्वाभाविक इच्छा है. यदि वह अध्यक्ष पद नहीं संभालते हैं तो उसके

बाद अपने आगे के राजनीतिक जीवन को लेकर एक बड़ा प्रश्न है? मैं निरंतर काम करने वाला व्यक्ति हूं, पांव एक बार थम जाएंगे तो फिर उम्र हावी हो जाएगी. राहुल मेरी प्रेरणा हैं, चुनौतियां बहुत बड़ी हैं. आगे की क्या रूपरेखा बनाऊं, भगवान बद्रीश से मार्गदर्शन युक्त आशीर्वाद मांगूंगा....

दांत का दर्द आपके बच्चे को परेशान कर रहा है? बचाव के लिए अपनाएं यह घरेलू उपचार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्या आप दांत दर्द का इलाज ढूंढ रहे हैं? ज्यादातर मामलों में, दांत दर्द एक गुहा, संक्रमण, मसूड़ों की बीमारी या किसी अन्य दंत समस्या का संकेत है। दांत दर्द दिन या रात किसी भी समय हो सकता है। अधिकांश ओवर-द-काउंटर दवाएं त्वरित राहत प्रदान कर सकती हैं लेकिन दर्द के मूल कारण की जांच और उपचार की आवश्यकता होती है।

सौभाग्य से, दांत दर्द के लिए भरोसेमंद घरेलू उपचार हैं जो दांत दर्द के इलाज में दवाओं के समान प्रभावी हैं। इन घरेलू उपचारों का उपयोग माता-पिता और बच्चे दोनों कर सकते हैं, हालांकि, सुनिश्चित करें कि सामग्री प्रभावित क्षेत्र के अलावा मुंह के बाकी हिस्सों को नहीं छूनी चाहिए क्योंकि इससे जलन हो सकती है।

नमक के पानी से कुल्ला करने से दांतों का दर्द कम होता है

दांत दर्द के लिए एक प्रभावी प्राकृतिक उपाय खारे पानी से गड़गड़ाहट है। यह एक प्राकृतिक कीटाणुनाशक है और दांतों के बीच फंसे खाद्य कणों और मलबे को ढीला करने में मदद कर सकता है। यह किसी भी संभावित हानिकारक बैक्टीरिया को भी साफ करता है जो प्रभावित क्षेत्र के आसपास हो सकता है।

कैसे इस्तेमाल करेः

बस एक गिलास में गर्म पानी की एक छोटी मात्रा में एक चम्मच नमक मिलाएं और इसे बाहर थूकने से पहले लगभग 30 सेकंड के लिए अपने मुंह के चारों ओर घुमाएं। एक या दो बार दोहराएं, दिन में कई बार।

लहसुन दांत दर्द के लिए एक प्राकृतिक उपचार है

क्या आप जानते हैं कि किचन में इस्तेमाल किया जाने वाला विनम्र लहसुन दांत दर्द के लिए एक प्रभावी प्राकृतिक उपचार है? इसमें एंटीवायरल, एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। लहसुन में मौजूद एलिसिन नामक यौगिक में एक शक्तिशाली एंटीबायोटिक प्रभाव होता है, जो प्रभावित क्षेत्र को राहत प्रदान करता है। यह अंदर से संक्रमण से लड़ने में भी मदद करता है, क्योंकि इसमें सूजन और सूजन होने की संभावना होती है।

कैसे इस्तेमाल करेः

लहसुन की एक फली को बारीक काट लें, उसे तोड़ लें और लगभग 10 मिनट तक बैठने दें ताकि एलिसिन सक्रिय हो जाए। बाद में, प्रभावित क्षेत्र पर सीधे थोड़ी मात्रा में लगाने का प्रयास करें। सुनिश्चित करें कि आप बहुत अधिक उपयोग न करें क्योंकि यह जल सकता है। इसे कुछ मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें और फिर गर्म नमक के पानी से धो लें।

हल्दी दांत दर्द के लिए एक प्राकृतिक उपचार है

हल्दी एक अद्भुत मसाला है जिसमें कई गुण होते हैं, जिसमें दांत दर्द के लिए प्राकृतिक उपचार के रूप में इस्तेमाल किया जाना शामिल है। इसमें मजबूत एंटीसेप्टिक और जीवाणुरोधी गुण होते हैं जो दर्द को रोकने और कम करने में मदद करते हैं। यह दांत और मसूढ़ों के संक्रमण के खिलाफ भी उपयोगी है।

कैसे इस्तेमाल करेः

पेस्ट बनाने के लिए थोड़े से पानी में एक चम्मच हल्दी पाउडर मिलाएं। एक कॉटन बॉल को पेस्ट में डुबोएं और इसे अपने मुंह में प्रभावित जगह पर लगाएं।

पशुपालकों को लंपी रोग के बारे में जागरूक रहना होगा : सौरभ बहुगुणा, पशुपालन मंत्री

पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने टोल फ्री नंबर 18001208862 जारी किया

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश के पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा द्वारा पशुओं में फैल रहे लंपी रोग के संबंध में विधानसभा में पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। पशुपालन मंत्री ने लंपी रोग के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि उत्तराखण्ड में अब तक कुल 20505 केस पंजीकृत किये गये हैं जिनमें से 8028 पूर्ण रूप से स्वस्थ हो चुके हैं और 341 पशुओं की लंपी रोग से मृत्यु हुई है। उन्होंने कहा कि लंपी रोग से स्वस्थ होने की दर 40% तथा मृत्यु दर 1.6% है। पशुपालन मंत्री ने पशुओं के वैक्सीनेशन की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश में लंपी रोग की मॉनीटरिंग के लिए सरकार द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास 6 लाख टीके उपलब्ध हैं, 5 लाख 80 हजार टीके प्रदेश के विभिन्न जनपदों में वितरित किये जा चुके हैं तथा राज्य सरकार द्वारा 4 लाख टीकों का ऑर्डर दिया गया है।

पशुपालकों से निवेदन करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक पशुपालक को अपने पशुओं का बीमा अवश्य करवाना चाहिए जिससे किसी भी प्रकार की हानि होने पर पशुपालकों को उचित मुआवजा प्राप्त होगा। उन्होंने टोल फ्री नंबर 18001208862 जारी करते हुए कहा कि लंपी रोग के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। मंत्री ने SOP जारी करते हुए कहा कि सभी को लंपी रोग के बारे में जागरूक रहना होगा। उन्होंने कहा कि अन्य लंपी रोगग्रस्त क्षेत्रों से पशुओं के व्यापार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। पशुपालन मंत्री ने कहा कि हरिद्वार तथा देहरादून लंपी रोग से सर्वाधिक प्रभावित जिले हैं जिनमें से हरिद्वार में 11350 तथा देहरादून में 6383 लंपी रोग के केस पंजीकृत किये गये हैं।

मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार ने लंपी रोग से बचाव हेतु वैक्सीनेशन व फण्डिंग से संबंधित सहायता समय पर उपलब्ध कराई है जिसके लिए हम केन्द्र सरकार का धन्यवाद करते हैं। बैठक में सचिव पशुपालन, डॉ0 बी0वी0आर0सी0 पुरूषोत्तम, महानिदेशक सूचना विभाग बंशीधर तिवारी, अपर निदेशक पशुपालन विभाग डॉ लोकेश कुमार, संयुक्त निदेशक सूचना विभाग आशिष कुमार त्रिपाठी तथा अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

देहरादून सड़कों पर अधिक गति वाले 'स्पीड टेस्ट कैमरा' की है आवश्यकता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

तेजी से बढ़ते वाहन शहर की सड़कों पर पैदल चलने वालों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। निवासी अधिकारियों से आग्रह कर रहे हैं कि वे या तो ज़ेबरा क्रॉसिंग विकसित करें या बल्लीवाला चौक और बल्लुपुर चौक के बीच एक स्पीड ब्रेकर डालें, ताकि क्षेत्र को पैदल यात्रियों और स्थानीय लोगों के लिए अधिक सुलभ बनाया जा सके।

जीएमएस रोड पर वाडिया इंस्टीट्यूट के सामने एक ज़ेबरा अंकन की आवश्यकता है। सड़क को पार करने में पैदल यात्रियों को बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यह एक राजमार्ग है इसलिए ट्रैफिक यहां उच्च गति पर चलता है। बहुत सारी दुर्घटनाएं हुई हैं। हमें सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गति नियंत्रण के कुछ रूप की आवश्यकता है। सड़क पार करते समय बच्चे और वरिष्ठ अधिक असुरक्षित होते हैं। निवासियों का दावा है कि वे कुछ समय के लिए क्षेत्र में एक स्पीड ब्रेकर या ज़ेबरा क्रॉसिंग के लिए अधिकारियों से अनुरोध कर रहे हैं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसी तरह की शिकायतें शहर के अन्य क्षेत्रों से भी आई हैं।हमारे पास राजपुर रोड पर कटौती पर ज़ेबरा क्रॉसिंग है, लेकिन यात्रियों को पैदल चलने वालों के लिए पार करने के लिए सभी धीमा नहीं है, जिससे लोगों को अन्य स्थानों से पार करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसी तरह ईसी रोड पर सहारनपुर रोड पर या क्लॉक टॉवर के पास, ये ये हैं। तंत्र गायब हैं और लोग एक बेतरतीब तरीके से पार कर रहे हैं। पैदल चलने वालों और मोटर चालकों को समान रूप से सार्वजनिक रूप से सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए बेहतर समझ की आवश्यकता होती है। हमें शहर भर में अधिक गति नियंत्रण संकेत, ब्रेकरों की आवश्यकता है, ₹एक अन्य शहर निवासी, अजित रावत ने कहा।

देहरादून ट्रैफिक पुलिस विभाग के अधिकारी भी इस बात से सहमत हैं कि समस्या वास्तविक है।₹केवल बल्लुपुर, शहर में अन्य क्षेत्र भी हैं, जहां ज़ेबरा क्रॉसिंग और स्पीड ब्रेकर्स की आवश्यकता है। हमने संबंधित नागरिक एजेंसियों के साथ अपनी सिफारिशें साझा की हैं,₹ पुलिस अधीक्षक, यातायात, अक्षय कोंडे ने कहा।अधिकारियों ने यह भी कहा कि कभी - कभी, पहले से मौजूद बुनियादी ढांचे का उपयोग नहीं किया जाता है और निकट भविष्य में इसे लागू किया जाएगा।

श्री केदारनाथ निकटवर्ती स्थानों को भी आध्यात्मिक पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने होंगे : प्रधानमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 22 सितम्बर , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से श्री बद्रीनाथ एवं श्री केदारनाथ में चल रहे पुनर्निमाण कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय से इस बैठक में वर्चुअल प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ. एस.एस.संधु, विशेष कार्याधिकारी पर्यटन विभाग भाष्कर खुल्बे, सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे वर्चुअल माध्यम से सचिव संस्कृति भारत सरकार गोविन्द मोहन, संयुक्त सचिव भारत सरकार रोहित यादव, उप सचिव भारत सरकार मंगेश घिल्डियाल भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री बद्रीनाथ एवं श्री केदारनाथ के पुनर्निर्माण कार्यों की प्रगति की पूरी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में श्री केदारनाथ एवं श्री बद्रीनाथ में श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ेगी। श्री केदारनाथ निकटवर्ती स्थानों को भी आध्यात्मिक पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने होंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए आस-पास के एरिया के डेवलपमेंट की दिशा में प्रयास करने होंगे। रामबाड़ा और केदारनाथ के बीच श्रद्धालुओं को ठहरने एवं कौन सी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकती हैं, इस ओर भी ध्यान दिया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि वासुकिताल, गरूड़ चट्टी, लिंचोली और उनके आस-पास श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक दृष्टि से क्या किया जा सकता है, इसका पूरा प्लान तैयार किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि श्री बद्रीनाथ के साथ ही आस-पास के क्षेत्रों को मॉडल के रूप में विकसित करने के लिए भी योजना बनाई जाए। माणा गांव एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों को रूरल टूररिज्म के लिए विकसित करने की दिशा में भी ध्यान दिया जाए। इनमें स्थानीय कल्चर एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर ईकोनॉमी का अच्छा मॉडल बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री केदारनाथ एवं श्री बद्रीनाथ में श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सेवकों एवं डॉक्टरों से भी अधिक से अधिक सहयोग लिया जाए। सरकारी व्यवस्थाओं के साथ जन सहयोग भी जरूरी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में श्री बद्रीनाथ एवं श्री केदारनाथ में पुनर्निमाण के कार्य तेजी से चल रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत रात-दिन कार्य प्रगति पर है। दिसम्बर 2023 तक सभी कार्यों को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस साल अभी तक 35 लाख से अधिक पंजीकृत श्रद्धालु चारधाम यात्रा में आ चुके हैं।

मुख्य सचिव डॉ. एस.एस.संधु ने श्री केदारनाथ एवं श्री बद्रीनाथ के पुनर्निर्माण कार्यों का प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने कहा कि श्री केदारनाथ में प्रथम चरण के पुनर्निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं। द्वितीय चरण में 188 करोड़ रूपये के 21 कार्य किये जा रहे हैं। जिनमें से 03 कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं, 06 कार्य दिसम्बर 2022 तक पूर्ण हो जायेंगे। अवशेष 12 कार्यों को जुलाई 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। गौरीकुण्ड में गेट का निर्माण किया जा चुका है। संगम घाट का कार्य जून 2023 तक पूर्ण किया जायेगा। ईशानेश्वर टेम्पल का कार्य भी एक माह में पूर्ण हो जायेगा। मास्टर प्लान के अनुसार सभी कार्य दिसम्बर 2023 तक पूर्ण किये जायेंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि श्री बद्रीनाथ में भी मास्टर प्लान के अनुसार तेजी से कार्य हो रहे हैं। शीश नेत्र लेक एवं बद्रीश लेक का कार्य 03 माह में पूर्ण हो जायेगा। रिवर डेवलपमेंट प्रोजक्ट का कार्य जून 2023 तक पूर्ण हो जायेगा।

सचिव संस्कृति, भारत सरकार गोविन्द मोहन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी कि श्री केदारनाथ के लिए संस्कृति मंत्रालय के तहत चार प्रकार के कार्य होने हैं। जो जल्द शुरू किये जायेंगे। सोनप्रयाग में ओरिएंटेशन सेंटर की स्थापना, रामबाड़ा, छोटी लिंचोली, बड़ी लिंचोली एवं चन्नी कैंप में चिन्तन स्थल (ध्यान स्थल), श्री केदारनाथ में शिव उद्यान एवं श्री केदारनाथ में श्री केदार गाथा म्यूजियम का निर्माण किया जायेगा। इन सभी कार्यों की पूरी योजना बनाकर तैयारी कर ली गई है।

रोड सेफ्टी क्रिकेट मैच में सीएम धामी का दिखा जोश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 22 सितम्बर ,गुरूवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देहरादून के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में चल रही रोड़ सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज देखने पहुंचे। उन्होंने स्टेडियम पंहुचकर इंडिया लीजेंड्स और इंग्लैंड लीजेंड्स मैच का आनंद लिया। इससे पूर्व राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और देवभूमि में सभी का स्वागत किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज के दौर में रोड सेफ्टी से सम्बन्धित नियमों का पालन करना हम सब का दायित्व है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन इस दिशा में जन जागरूकता का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट का यह आयोजन उत्तराखण्ड में खेलों को बढ़ावा देने तथा उत्तराखण्ड को पहचान दिलाने में मददगार होंगे। इस दौरान खेल मंत्री रेखा आर्य, विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार आदि भी उपस्थित थे।

राज्य में लंपी वायरस से मवेशी को बचाने के लिए बड़े कदम उठाए जा रहे हैं : सौरभ बहुगुणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बुधवार को मंत्री पशुपालन, डेयरी विभाग श्रम एवं कौशल विकास एवं गन्ना विकास, सौरभ बहुगुणा की अध्यक्षता में विधान भवन, देहरादून में पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ राज्य के पशुओं में फैल रही लम्पी स्किन डिजीज की स्थिति की समीक्षा की गई एवं रोग की प्रभावी रोकथाम हेतु मंत्री द्वारा मानक संचालन प्रक्रिया अभिलेख (SOP) जारी किये गये। जिसमें विभाग द्वारा अवगत कराया गया है कि अतिथि तक राज्य में 20505 पशु लम्पी रोग से ग्रस्त हैं जिनका उपचार किया जा रहा है, जिसमें 8028 पशु अब तक पूर्ण रूप से स्वस्थ हो चुके हैं, तथा 341 पशुओं की मृत्यु हुई है। विभाग द्वारा अवगत कराया गया है कि पशुओं में स्वस्थ होने की दर 40 प्रतिशत तथा मृत्यु दर 1.6 प्रतिशत है। विभाग द्वारा पशुओं में रोग की रोकथाम हेतु 5.8 लाख खुराक वैक्सीन कय कर विभिन्न जनपदों को टीकाकरण हेतु

उपलब्ध करा दी गई है। अब तक 252293 पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। टीकाकरण में गति लाने हेतु अतिरिक्त टीमों का गठन कर टीकाकरण कर दिया गया है। शासन स्तर से प्रत्येक जनपद में लम्पी स्किन डिजीज के प्रभावी नियन्त्रण एवं रोकथाम हेतु अपर निदेशक/ संयुक्त निदेशकों को नोडल अधिकारी नामित कर दिया गया है। कुमायूँ मण्डल में रोग से बचाव हेतु उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे जनपद उधम सिंह नगर व नैनीताल में भी में टीकाकरण किया जा रहा है। उधमसिंह नगर के दलों द्वारा उक्त कार्य किया गया हेतु जिलाधिकारियों से सम्पर्क किया गया है। लग्गी स्किन बीमारी से बीमित पशुओं की मृत्यु हुई है पशुपालन से पशुओं को ज्यादा से ज्यादा बीमा कराने की जानकारी का प्रसार

करें। शासन एवं निदेशालय स्तर पर LSD रोग हेतु कंट्रोल रूम की स्थापना की गयी है। पशुपालकों की सुविधा हेतु विभागीय टॉल फ्री नम्बर 18001208862 उपलब्ध है। पशुलोक में में प्रशिक्षणरत 80 पशुधन प्रसार अधिकारी तथा वहां पदस्थ 20 पशु चिकित्सा अधिकारी एवं पशु चिकित्सा महाविज्ञान संस्थान, पंतनगर से इंटर्नशिप कर रहे पशु चिकित्सकों को भी आवश्यकतानुसार हरिद्वार एवं देहरादून जनपद में लम्पी स्किन डिजीज की रोकथाम एवं चिकित्सा हेतु प्रयोग में लाया जायेगा। पशुपालकों से अनुरोध है कि सरकार द्वारा संचालित पशुधन बीमा योजना से अपने पशुओं को अधिक से अधिक लाभान्वित किये जाने हेतु बीमित करें ताकि सम्भावित हानि से बचा जा सके।

उत्तराखण्ड शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सरलीकरण, समाधान निस्तारीकरण और संतुष्टि

विकल्प रहित संकल्प

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

एक ही लक्ष्य-एक ही सपना, सर्वश्रेष्ठ बने उत्तराखण्ड अपना

- समान नागरिक संहिता पर बढ़े कदम, विशेषज्ञ समिति ने की कई बैठकें, आम जन से सुझाव आमंत्रित।
- प्रदेशवासियों की अपेक्षानुसार भू कानून बनाने की ओर अग्रसर, समिति ने दी रिपोर्ट, भूमि के दुरूपयोग को रोकने पर विशेष ध्यान।
- भर्ती में धांधली करने वालों पर शिकंजा कसा। भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता से कराने की कार्य योजना तैयार, जल्द रिक्त पदों पर भर्ती शुरू की जा रही है।
- सरलीकरण, समाधान, निस्तारीकरण और संतुष्टि पर विशेष ध्यान। जनता से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरलतम किया जा रहा है।
- वर्ष 2025 तक उत्तराखण्ड को प्रत्येक क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिए सभी विभागों द्वारा कार्ययोजना तैयार की जा रही है।
- सुशासन के लिए अपणि सरकार पोर्टल, ई-ऑफिस, सीएम हेल्पलाइन 1905 के साथ ही भ्रष्टाचार की शिकायत के लिए 1064 शुरू।
- केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री के साथ ही टनकपुर-पिथौरागढ़ की सड़क कनेक्टीवीटी में सुधार के लिए चारधाम ऑल वेदर रोड़ परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है।
- ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर तेजी से कार्य चल रहा है। टनकपुर बागेश्वर और डोईवाला से गंगोत्री-यमुनोत्री रेल लाइन के सर्वे के साथ ही हरिद्वार-देहरादून रेल लाइन के दोहरीकरण पर भारत सरकार द्वारा सहमति।
- उत्तराखण्ड पहला राज्य जहां उड़ान योजना में हेली सर्विस प्रारंभ। एयर कनेक्टिविटी को मजबूती मिली।
- उत्तराखण्ड के दूरस्थ क्षेत्रों में संचार कनेक्टिविटी के लिए भारत सरकार द्वारा 1202 मोबाइल टावर की स्वीकृति।
- पर्वतीय क्षेत्रों में रोपवे नेटवर्क निर्माण के लिए पर्वतमाला परियोजना प्रारंभ।
- होम स्टे योजना से पर्यटन के विकास के साथ ही युवाओं को रोजगार मिल रहा है।
- प्रदेश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बाल वाटिकाओं की शुरूआत।
- श्री केदारनाथ धाम के भव्य पुनर्निर्माण के साथ श्री बद्रीनाथ धाम के लिए भी मास्टर प्लान।
- कुमाऊं के पौराणिक मंदिरों के लिए मानसखण्ड मंदिर माला मिशन की रूपरेखा बनाई जा रही है।
- चार धाम यात्रा मार्ग में बेहतर अवस्थापना विकास और सरकार के कुशल यात्रा प्रबंधन से इस वर्ष 35 लाख से अधिक श्रद्धालु चार धाम के दर्शन कर चुके हैं। लगभग 3 करोड़ कावड़ यात्री कावड़ यात्रा पर आए।
- गरीब परिवार को साल में मिलेंगे तीन गैस सिलेंडर मुफ्त। बजट प्रावधान किया गया।
- ट्रैफिक की समस्या को दूर करने के लिए मल्टीस्टोरी पार्किंग, केविटी, टनल व सर्फेस पार्किंग के लिए काम शुरू।
- मुख्यमंत्री बालाश्रय योजना में आपदा, महामारी एवं दुर्घटना से अनाथ बच्चों की स्कूली शिक्षा की व्यवस्था।
- मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना प्रारंभ। प्रदेश के 3900 खिलाड़ियों के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था।
- आंगनवाड़ी, आशा कार्यकत्रियों के मानदेय में वृद्धि। राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन के साथ ही वीरता पदक प्राप्त सैनिकों की सम्मान राशि में बढ़ोतरी।
- निःशुल्क जांच योजना में 207 प्रकार की पैथोलॉजिकल जांचों की निःशुल्क व्यवस्था।
- आयुष्मान योजना में 48 लाख 42 हजार से अधिक कार्डधारक, 5 लाख 65 हजार से अधिक मरीजों का मुफ्त उपचार, 978 करोड़ रूपये से अधिक का व्यय किया गया।
- किसानों को तीन लाख और महिला स्वयं सहायता समूहों को पांच लाख रूपये तक का ब्याज रहित ऋण।
- 3900 जैविक क्लस्टरों पर काम शुरू, गौ सदनों की स्थापना के लिए बजट प्रावधान 6 गुना करते हुए 15 करोड़ रूपये की व्यवस्था की गई।
- फार्म मशीनरी बैंक में 80 फीसदी सब्सिडी की व्यवस्था।
- वोकल फॉर लोकल पर आधारित 'एक जनपद दो उत्पाद' योजना शुरू। स्थानीय उत्पादों की जिओ टैगिंग।
- ऊधमसिंह नगर में एम्स ऋषिकेश के सैटेलाइट सेंटर को मंजूरी।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

उत्तराखण्ड शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सरलीकरण, समाधान निस्तारीकरण और संतुष्टि

विकल्प रहित संकल्प

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

एक ही लक्ष्य-एक ही सपना, सर्वश्रेष्ठ बने उत्तराखण्ड अपना

- समान नागरिक संहिता पर बढ़े कदम, विशेषज्ञ समिति ने की कई बैठकें, आम जन से सुझाव आमंत्रित।
- प्रदेशवासियों की अपेक्षानुसार भू कानून बनाने की ओर अग्रसर, समिति ने दी रिपोर्ट, भूमि के दुरूपयोग को रोकने पर विशेष ध्यान।
- भर्ती में धांधली करने वालों पर शिकंजा कसा। भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता से कराने की कार्य योजना तैयार, जल्द रिक्त पदों पर भर्ती शुरू की जा रही है।
- सरलीकरण, समाधान, निस्तारीकरण और संतुष्टि पर विशेष ध्यान। जनता से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरलतम किया जा रहा है।
- वर्ष 2025 तक उत्तराखण्ड को प्रत्येक क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिए सभी विभागों द्वारा कार्ययोजना तैयार की जा रही है।
- सुशासन के लिए अपणि सरकार पोर्टल, ई-ऑफिस, सीएम हेल्पलाइन 1905 के साथ ही भ्रष्टाचार की शिकायत के लिए 1064 शुरू।
- केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री के साथ ही टनकपुर-पिथौरागढ़ की सड़क कनेक्टीवीटी में सुधार के लिए चारधाम ऑल वेदर रोड़ परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है।
- ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर तेजी से कार्य चल रहा है। टनकपुर बागेश्वर और डोईवाला से गंगोत्री-यमुनोत्री रेल लाइन के सर्वे के साथ ही हरिद्वार-देहरादून रेल लाइन के दोहरीकरण पर भारत सरकार द्वारा सहमति।
- उत्तराखण्ड पहला राज्य जहां उड़ान योजना में हेली सर्विस प्रारंभ। एयर कनेक्टिविटी को मजबूती मिली।
- उत्तराखण्ड के दूरस्थ क्षेत्रों में संचार कनेक्टिविटी के लिए भारत सरकार द्वारा 1202 मोबाइल टावर की स्वीकृति।
- पर्वतीय क्षेत्रों में रोपवे नेटवर्क निर्माण के लिए पर्वतमाला परियोजना प्रारंभ।
- होम स्टे योजना से पर्यटन के विकास के साथ ही युवाओं को रोजगार मिल रहा है।
- प्रदेश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बाल वाटिकाओं की शुरूआत।
- श्री केदारनाथ धाम के भव्य पुनर्निर्माण के साथ श्री बद्रीनाथ धाम के लिए भी मास्टर प्लान।
- कुमाऊं के पौराणिक मंदिरों के लिए मानसखण्ड मंदिर माला मिशन की रूपरेखा बनाई जा रही है।
- चार धाम यात्रा मार्ग में बेहतर अवस्थापना विकास और सरकार के कुशल यात्रा प्रबंधन से इस वर्ष 35 लाख से अधिक श्रद्धालु चार धाम के दर्शन कर चुके हैं। लगभग 3 करोड़ कावड़ यात्री कावड़ यात्रा पर आए।
- गरीब परिवार को साल में मिलेंगे तीन गैस सिलेंडर मुफ्त। बजट प्रावधान किया गया।
- ट्रैफिक की समस्या को दूर करने के लिए मल्टीस्टोरी पार्किंग, केविटी, टनल व सर्फेस पार्किंग के लिए काम शुरू।
- मुख्यमंत्री बालाश्रय योजना में आपदा, महामारी एवं दुर्घटना से अनाथ बच्चों की स्कूली शिक्षा की व्यवस्था।
- मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना प्रारंभ। प्रदेश के 3900 खिलाड़ियों के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था।
- आंगनवाड़ी, आशा कार्यकत्रियों के मानदेय में वृद्धि। राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन के साथ ही वीरता पदक प्राप्त सैनिकों की सम्मान राशि में बढ़ोतरी।
- निःशुल्क जांच योजना में 207 प्रकार की पैथोलॉजिकल जांचों की निःशुल्क व्यवस्था।
- आयुष्मान योजना में 48 लाख 42 हजार से अधिक कार्डधारक, 5 लाख 65 हजार से अधिक मरीजों का मुफ्त उपचार, 978 करोड़ रूपये से अधिक का व्यय किया गया।
- किसानों को तीन लाख और महिला स्वयं सहायता समूहों को पांच लाख रूपये तक का ब्याज रहित ऋण।
- 3900 जैविक क्लस्टरों पर काम शुरू, गौ सदनों की स्थापना के लिए बजट प्रावधान 6 गुना करते हुए 15 करोड़ रूपये की व्यवस्था की गई।
- फार्म मशीनरी बैंक में 80 फीसदी सब्सिडी की व्यवस्था।
- वोकल फॉर लोकल पर आधारित 'एक जनपद दो उत्पाद' योजना शुरू। स्थानीय उत्पादों की जिओ टैगिंग।
- ऊधमसिंह नगर में एम्स ऋषिकेश के सैटेलाइट सेंटर को मंजूरी।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

विकास कार्यों में देरी करने वाले अधिकारियों को स्पीकर खंडूड़ी ने लगाई फटकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार 22 सितम्बर , कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गतिमान विकास कार्यों की प्रगति एवं प्रस्तावित योजनाओं पर कार्यवाही सहित जनता से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों को लेकर उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने जनपद स्तरीय एवं समस्त विभाग के अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने जनहित की विकास परियोजनाओं में हो रही लेटलतीफी को लेकर कड़ी नाराजगी जताते हुए विभागीय अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने अधिकारियों को साफ शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि जनहित के कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य है। किसी प्रकार की गड़बड़ी, भ्रष्टाचार अथवा अनावश्यक लेटलतीफी की सूचना मिली तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।कहा कि विकास परियोजनाओं में देरी से न केवल जनता के धन का अपव्यय होता है, बल्कि जनहित भी प्रभावित होता है।

लैंसडौन वन प्रभाग के गेस्ट हाउस में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी, एसएसपी सहित लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, जल संस्थान, ग्रामीण विकास विभाग, वन, स्वास्थ्य, लघु सिंचाई, पुलिस प्रशासन, श्रम, पेयजल निगम, नगर निगम, पशु चिकित्सा विभाग सहित कई अन्य विभागों के अधिकारी एवं जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों से क्षेत्र के अंतर्गत विकास कार्यों में गति लाते हुए गुणवत्तायुक्त काम करने पर बल दिया ।उन्होंने विभागवार शासकीय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में सभी सीनियर अफसरों को फील्ड में विजिट करना चाहिए ताकि हकीकत से रूबरू हो सकें साथ ही राज्य सरकार की योजनाओं का सफल क्रियान्वयन कर सरकार की मंशानुरूप आमजन को लाभान्वित करना सुनिश्चित करें।उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद करते हुए उनके विभागों से संबंधित योजनाओं और विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली और उनके त्वरित निस्तारण की बात कही। उन्होंने विकास कार्यों और योजनाओं का उचित पारदर्शिता, गुणवत्ता और समय से बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए। कहा कि जिन कार्यों की महत्वता अधिक है और जिनसे अधिक लोगों के सरोकार जुड़े हुए हैं उनकी प्राथमिकता निर्धारित करते हुए उसे शीघ्रता से पूर्ण करें।

बता दें की विधानसभा अध्यक्ष द्वारा विगत महीनों में समय-समय पर सभी विभाग के अधिकारियों के संग बैठक कर योजनाओं को क्रियान्वयन करने के लिए निर्देशित किया था। उसी क्रम में विभागीय अधिकारियों द्वारा अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों की बैठक बुलाई। इस दौरान विभागवार अधिकारियों द्वारा योजनाओं की प्रगति की जानकारी विधानसभा अध्यक्ष को दी गई।

इस दौरान स्पीकर ऋतु खंडूड़ी ने विभागीय अधिकारियों से सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति, विद्युत सहित विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए प्रस्तावित योजनाओं को त्वरित गति से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वहीं कोटद्वार क्षेत्र में ट्रेंचिंग ग्राउंड, एसटीपी प्लांट का निर्माण, क्षतिग्रस्त सुखरो पुल के मरम्मतीकरण कार्य, पेयजल आपूर्ति के लिए अमृत योजना, नदियों पर बाढ़ सुरक्षा योजना कार्य, लालढांग चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण कार्य, कोटद्वार बाईपास, अवैध खनन पर रोक जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।विधानसभा अध्यक्ष ने स्वास्थ्य विभाग से बेस अस्पताल कोटद्वार में डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टाफ की तैनाती, पुलिस प्रशासन से कानून व्यवस्था से संबंधित विषयों पर निर्देश दिए।

उत्तराखंड बना 'औद्योगिक भांग' उगाने वाला पहला राज्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड बड़े पैमाने पर औद्योगिक भांग की खेती की अनुमति देने वाला पहला राज्य बनने के छह साल बाद कैनबिस सैटिवा, जिसमें नशा करने की क्षमता कम होती है और मुख्य रूप से औषधीय और औद्योगिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है, यह ₹मानकीकृत औद्योगिक भांग₹ का पहला प्रोटोटाइप बनाने में सफल रहा है। ₹.बागेश्वर की जिला मजिस्ट्रेट रीना जोशी ने कहा कि पांच महीने के प्रयासों के बाद, सीमावर्ती जिले के किसानों ने 0.3% से कम टेट्रा हाइड्रो कैनाबिनोल के साथ औद्योगिक भांग उगाने में कामयाबी हासिल की है, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों और राज्य के मापदंडों द्वारा निर्धारित अनुमेय सीमा है। ₹बागेश्वर जिला प्रशासन ने परियोजना को वित्त पोषित किया और कृषि विभाग ने उन चार किसानों का बारीकी से मार्गदर्शन किया, जिन्हें यहां लगभग 0.5 एकड़ भूमि पर औद्योगिक भांग की खेती के लिए लाइसेंस दिया गया था। एक बार फसल उगाने के बाद, उनके पास 0.3% THC से कम पाया गया था और इस प्रकार योग्य,₹ जोशी ने कहा। बुधवार को किसानों के लिए अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कैनबिडिओल और टीएचसी भांग में पाए जाने वाले दो प्रमुख फाइटोकेमिकल्स हैं। गांजा उप-प्रजाति है, जो मारिजुआना के करीब है। हालांकि, मनोरंजक मारिजुआना के विपरीत, जिसका लगभग 20% THC नशा का कारण बनता है, इसमें THC का स्तर कम होता है। ₹यह भारत में पहली बार है कि मानकीकरण के लिए सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार औद्योगिक ग्रेड गांजा उगाया गया है। यह औद्योगिक भांग की व्यावसायिक खेती के मामले को मजबूत करता है, और भांग के बीज, फाइबर और पत्तियों की बड़े पैमाने पर उपलब्धता के लिए। संयंत्र का उपयोग औद्योगिक और बागवानी उपयोगों के लिए किया जाएगा,₹ बॉम्बे हेम्प कंपनी (BOHECO) के प्रमुख वैज्ञानिक और मुख्य प्लांट ब्रीडर डॉ बृज किशोर मिश्रा ने कहा, एक फर्म जिसने परियोजना पर राज्य के कृषि विभाग के साथ सहयोग किया।गांजा एक पर्यावरण के अनुकूल निर्माण सामग्री बनाता है। इसके औद्योगिक उद्देश्यों में घर बनाने के लिए गांजा (भांग निर्माण ब्लॉक) शामिल हैं। इसके अलावा, भांग के रेशे का उपयोग कपड़े, बैग और ऐसी अन्य वस्तुओं को बनाने के लिए किया जा सकता है।स्वयं सहायता समूहों के एक समुदाय, अलकनंदा घाटी शिल्पी फेडरेशन (एएजीएएएस) के संस्थापक जगदंबा प्रसाद मैथानी ने बताया, ₹गांजा की खेती पहाड़ियों के लिए वरदान साबित होगी। जंगली जानवर फसल से दूर रहते हैं और आर्थिक लाभ प्रवास को रोक सकते हैं। उल्लेख नहीं है, एक हेक्टेयर भांग 100 टन कार्बन को अवशोषित करता है, इसलिए यह पर्यावरण को भी मदद करता है।₹ जबकि उत्तराखंड में खेती सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है, कुछ अन्य राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश, गुजरात, आदि में प्रक्रिया चल रही है, जिससे किसानों को भांग उगाने की अनुमति मिलती है।

दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश में संभवतः 21-25 सितंबर के बीच मानसून 2022 की अंतिम बारिश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा उत्तर पश्चिमी भारत से मानसून की वापसी की शुरुआत की घोषणा के ठीक एक दिन बाद, यह क्षेत्र अब अनुभव करने के लिए तैयार है कि इस सप्ताह के शेष भाग के लिए विदाई बारिश जैसा दिखता है।आईएमडी ने बुधवार से रविवार (21-25 सितंबर), पूर्वी राजस्थान और पूर्व में उत्तराखंड और पश्चिम उत्तर प्रदेश में छिटपुट भारी बारिश (64.5 मिमी-115.5 मिमी), गरज और बिजली गिरने के साथ-साथ काफी व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान लगाया है। उत्तर प्रदेश बुधवार से शुक्रवार (21-23 सितंबर), और हरियाणा और चंडीगढ़ बुधवार और गुरुवार (21-22 सितंबर)।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी अगले 48 घंटों (21-22 सितंबर) के लिए मध्यम वर्षा (64.4 मिमी से कम) होगी।हालांकि, पूर्वी राजस्थान और पूर्वी उत्तर प्रदेश की पसंद गुरुवार (22 सितंबर) को अधिक तीव्र परिस्थितियों में होगी, उनके संबंधित क्षितिज पर अलग-अलग बहुत भारी बारिश (115.5 मिमी-204 मिमी) के साथ।इन भविष्यवाणियों के मद्देनजर, राजस्थान और उत्तर प्रदेश दोनों के पूर्वी उपखंडों को गुरुवार को ऑरेंज अलर्ट ('उबड़-खाबड़ परिस्थितियों के लिए तैयार रहें') पर रखा गया है। इस पूर्वानुमान अवधि के दौरान शेष उत्तर-पश्चिमी राज्य पीले रंग की घड़ी (मौसम की स्थिति के बारे में 'जागरूक') पर बने रहेंगे।

संपादकीय

श्रीनगर में सिनेमाघर खुलना स्वागतयोग्य

जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में सिनेमा थियेटरों का खुलना निश्चित रूप से एक सकारात्मक समाचार है. मैंने पहले भी कहा है कि कश्मीर की एक बड़ी समस्या यह है कि वहां हीरो नहीं हैं. वहां सिनेमा हॉल और बार बंद होने से बड़ा नुकसान यह हुआ कि मिलने-जुलने की जगहें खत्म हो गयीं. आप कश्मीर के किसी भी घर में जाएं, तो लोग देर रात तक टीवी पर फिल्में और धारावाहिक देखते हुए मिल जायेंगे. नब्बे के दशक के शुरू में सिनेमाघर बंद हुए, फिर 1997 में उन्हें दुबारा खोलने की कोशिश की गयी, पर विस्फोटों के बाद थिएटर मालिकों ने ऐसी कोशिश नहीं की. वहां का जो सबसे प्रसिद्ध सिनेमाघर था, वहां अब एक मॉल बन चुका है. बहरहाल, थिएटर खुलना अच्छी पहल है, पर वहां निर्वाचित सरकार नहीं होने तथा जनता की भागीदारी नहीं होने से इसे कितनी सफलता मिलेगी, यह कह पाना मुश्किल है. भले ही वहां के अधिकतर लोगों के मन की इच्छा हो कि सिनेमा हॉल खुलें, पर इस पहल को ऐसे देखा जायेगा कि सरकार ने जबरन यह करवाया है. जिस तरह का माहौल है, उसमें जो लोग शुरुआती दौर में सिनेमा देखने जायेंगे, उन पर सरकार का साथ देने का आरोप लग सकता है. कश्मीर में पर्यटक बड़ी संख्या में जाते हैं. वे तो थिएटर जायेंगे, पर स्थानीय लोगों की क्या प्रतिक्रिया होगी, यह देखना होगा. एक अक्तूबर को मैं श्रीनगर में रहूंगा और मेरी कोशिश होगी कि इस थिएटर की शुरुआत देखूं. जहां तक पर्यटकों और स्थानीय लोगों के संबंधों की बात है, तो वह पूरी तरह से एक व्यावसायिक संबंध है. कश्मीरी मेहमाननवाजी बहुत पहले से ही प्रसिद्ध रही है. पर्यटकों के साथ पहले भी अच्छा व्यवहार होता था और अब भी बहुत अच्छा व्यवहार होता है. गर्मियों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक आये थे. कश्मीरी पंडितों पर हमलों और उनकी सुरक्षा की चिंताओं के बावजूद लोग वहां घूमने जा रहे थे. यह भी समझा जाना चाहिए कि कश्मीर में पर्यटकों के लिए कुछ निर्धारित जगहें है. कोई पर्यटक श्रीनगर के डाउनटाउन इलाके में या अन्य कुछ शहरों में नहीं जाता, तो आम जन-जीवन से उनका कोई संबंध भी नहीं होता है. पर्यटन से बहुत से लोगों का रोजगार जुड़ा हुआ है. अंग्रेजी दौर से ही यह कारोबार चला आ रहा है. पर्यटन में बढ़ोतरी को कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल होने के एक मुख्य संकेत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए. पिछले कुछ समय से कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं और इस बारे में आंदोलन भी चल रहा है. यह जो सिनेमा हॉल खुल रहे हैं, उनके मालिक भी कश्मीरी पंडित हैं. कश्मीर में दो तरह के कश्मीरी पंडित हैं. एक वे हैं, जिन्होंने नब्बे के दशक में भी घाटी नहीं छोड़ी, उनके वहीं घर हैं और वे रहते हैं. दूसरे कश्मीरी पंडित वे हैं, जिनका पुनर्वास प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में बनी रोजगार योजना के तहत हुआ है. उनके लिए कैंप बनाये गये. पिछले दिनों जिनकी हत्या हुई, वे कैंप में ही रहते थे. सूचनाओं की मानें, तो अधिकतर कैंप खाली पड़े हुए हैं. लोग या तो जम्मू चले गये हैं या अपने परिवार को वहां भेजकर अकेले रह रहे हैं. इन तमाम चिंताओं के बावजूद सिनेमाघर का खुलना स्वागतयोग्य है. श्रीनगर के अलावा अन्य कस्बों और शहरों में भी थिएटर खुलने चाहिए. हो सकता है कि शुरू में विरोध हो या उत्साहजनक प्रतिक्रिया न मिले, लेकिन धीरे धीरे उसे कश्मीरी समाज में स्वीकार्यता मिलेगी.

उत्तराखंड में डेंगू का प्रकोप 39 लोग में नई पुष्टि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग का डेंगू का ग्रा तेजी से बढ़ रहा है। राज्य में डेंगू के मामले धीरे धीरे तेज़ी से दर्ज किए हैं। 13 जिलों में से पांच जिलों ने अब तक इस बीमारी की सूचना दी है।

बुधवार को प्रदेश में 39 लोग में डेंगू की पुष्टि हुई। इनमें 37 मामले देहरादून से हैं। जबकि नैनीताल व ऊधमसिंह नगर में एक-एक मामला आया है।हालांकि, स्वास्थ्य विभाग के पास पहाड़ी राज्य में हाथ, पैर और मुंह की बीमारी (एचएफएमडी) के मामलों की संख्या का कोई आंकड़ा नहीं है।संक्रामक वायरल संक्रमण की ओर ले जाने वाली बीमारी आमतौर पर 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करती है। स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डॉ शैलजा भट्ट ने कहा, ₹हमारे पास एचएफएमडी पर डेटा नहीं है क्योंकि बीमारी का कोई स्थापित प्रयोगशाला निदान नहीं होता है।₹गौरतलब है कि राज्य के कई हिस्सों में स्कूली बच्चों में ₹उच्च श्रेणी के वायरल संक्रमण₹ और ₹खांसी से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं₹ में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है।

प्रदेश में फिर से जाग रहा है कोरोना का खौफ 27 नए मामले, एक संक्रमित की हुई मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

फिरसे जाग रहा है कोरोना का खौफ हलाकि ज्यादातर लोग इस बीमारी से ठीक होकर घर जा चुके है। बता दे कोरोना संक्रमण के 27 नए मामले मिले, जबकि 31 मरीज ठीक हो चुके हैं। एम्स ऋषिकेश में एक मरीज की कोरोना से मौत हो गई है।स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक निजी और सरकारी लैब से 1118 सैंपल की जांच रिपोर्ट मिली है. जिसमें 1091 की रिपोर्ट निगेटिव आई है। नैनीताल में सबसे ज्यादा 14 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। विभिन्न जिलों से 1306 सैंपल कोरोना जांच के लिए भेजे गए थे। राज्य में इस साल कोरोना के 103978 मामले सामने आए हैं। इनमें से 99734 (95.92 फीसदी) लोगों ने कोरोना को मात दी है। इस साल 330 मरीजों की कोरोना से मौत भी हो चुकी है।कोरोना संक्रमण के 27 नए मामले मिले, जबकि 31 मरीज स्वस्थ हुए हैं। कोरोना से एम्स ऋषिकेश में एक मरीज की मौत हुई है।

लगातार बुरे सपने बन सकते हैं इस बीमारी के कारण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

तनाव या चिंता यही कारण हो सकती है कि आपको लगातार बुरे सपने आ रहे है। अन्य कारक जो बुरे सपने या बुरे सपने को ट्रिगर कर सकते हैं, उनमें नींद, बुखार, शराब या नशीली दवाओं का उपयोग, दवाएं और अंतर्निहित चिकित्सा स्थितियों की कमी शामिल है। अब, शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि लगातार बुरे सपने होने से संज्ञानात्मक कार्य को प्रभावित किया जा सकता है और मनोभ्रंश के जोखिम को बढ़ाया जा सकता है।एक नए अध्ययन ने मध्यम आयु में लगातार बुरे सपने को जीवन में बाद में मनोभ्रंश के विकास की उच्च संभावना से जोड़ा है। इसका मतलब है कि मध्यम आयु वर्ग के वयस्क जो लगातार बुरे सपनों का अनुभव करते हैं, वे संज्ञानात्मक गिरावट का अनुभव करने की अधिक संभावना

रखते हैं और जीवन में बाद में मनोभ्रंश का निदान किया जाता है।

मनोभ्रंश के लिए जोखिम कारक

सबसे पहले बुरे सपने को जोड़ने या डिमेंशिया और संज्ञानात्मक गिरावट के जोखिम के लिए सपनों को परेशान करने वाला है। बहुत कम जोखिम संकेतकों के साथ, मध्यम आयु के रूप में शुरुआती समय के रूप में मनोभ्रंश जोखिम की पहचान करना मुश्किल है।बुरे सपनों को बीमारी की शुरुआत को धीमा करने के लिए मनोभ्रंश के विकास और योजना रणनीतियों के बढ़ते जोखिम में व्यक्तियों की पहचान करने के लिए एक कारक माना जा सकता है।

5 साल में समूहों की महिलाओं की आय की जायेगी दोगुना : गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर 22 सितम्बर , जनपद प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने रुद्रपुर स्थित ग्रामीण विकास विभाग के कार्यालय में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ बैठक की जिसमें बैठक के दौरान मंत्री जोशी ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की समस्याओं को सुना। बैठक के दौरान बैठक के समूह की महिलाओं द्वारा मंत्री जोशी को बताया गया कि जो उत्पाद उनके द्वारा तैयार किया जाता है, उसकी मार्केटिंग ना होने के कारण उनको उनके उत्पाद का उचित दाम नहीं मिल पाता है,साथ ही समूह की महिलाओं द्वारा यह भी बताया गया कि बैंकों द्वारा ऋण लेने में समूह की महिलाओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वही मंत्री गणेश जोशी ने बैठक के दौरान मौजूद अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों के सामान खरीदने के लिए हर ब्लॉक में एक दुकान खोली जाए साथ ही जहां पर पर्यटक पहुंचते हैं वहां पर आउटलेट खोले जाए ताकि इनके उत्पाद वहां पर बिक सके।इसके अलावा मंत्री जोशी ने कहा कि जितने भी सिडकुल क्षेत्र सरकारी औद्योगिक क्षेत्र, प्राइवेट इंडस्ट्री, वहां पर भी सफाई के उपयोग में आने वाली चीजें जैसे- झाड़, पोछा, फिनाइल आदि की आवश्यकता होती है। हम हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह हमारी समूह की बहनों द्वारा खरीदा जाए। इसी प्रकार जितने भी सरकारी, राजनीतिक कार्यक्रम हो इसमें भी समूह की बहनों द्वारा ताकि इनको रोजगार मिल सके।

मंत्री गणेश जोशी ने बैंकों द्वारा ऋण लेने में आ रही समूह की महिलाओं की समस्याओं को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिला स्तरीय बैठक के दौरान इनकी समस्याओं का समाधान किया जाए । मंत्री जोशी ने यह भी कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आसानी से रो मटेरियल उपलब्ध हो और जब यह रो मटेरियल खरीदते या सामान बेचते हैं इन पर जीएसटी ना लगे इसके लिए शासन से बातचीत की जायेगी। ताकि समूहों को महिलाओं को अधिक लाभ मिल सके। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि आने वाले पांच साल में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की आय दोगुनी हो इस दिशा में सरकार लगातार प्रयासरत है।

खतीब अहमद मलिक चुने गए उत्तराखंड राज्य हज कमेटी के नए अध्यक्ष

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 22 सितंबर , उत्तराखंड राज्य हज कमेटी अध्यक्ष खतीब अहमद मलिक को चुन लिया गया है. इस दौरान शादाब शम्स व लक्सर विधायक शहजाद समेत अन्य लोगों ने फूल माला पहना कर उनका स्वागत किया. वहीं चयन होने के बाद हज सीमित अध्यक्ष खतीब अहमद मलिक, वक़्फ़ बोर्ड अध्यक्ष शादाब शम्स और सभी सदस्यों ने दरगाह साबिर पाक में चादर पेश कर देश के अमन-ओ-अमान की दुआ मांगी.इस दौरान हज सीमित अध्यक्ष खतीब अहमद मलिक ने मुख्यमंत्री, संगठन और सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनपर विश्वास जताकर जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे वह ईमानदारी के साथ निभाएंगे. उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता में हज यात्रा से संबंधी सुविधाओं को बेहतर करना और पूर्व में जो हज यात्री यात्रा कर वापस आए हैं, उनसे बातचीत कर अनुभव जानना और उसके आधार पर जो कमियां हैं, उनमें सुधार करने का प्रयास किया जाएगा.

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, उत्तराखंड में घर लेने का सपना हो सकता है पूरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड राज्य के प्रधानमंत्री अवास योजाना के तहत, उत्तराखंड आवास विकास परिषद नवरात्रि में एक साथ 17 हजार से अधिक घरों पर काम शुरू करने जा रही है। इन घरों को सिर्फ साढ़े तीन लाख रुपये के लिए आवास रहित परिवारों द्वारा पहचाना जाएगा। परिषद 2024 से पहले इन घरों को तैयार करेगी और आवंटियों को सौंप देगी।उत्तराखंड आवास विकास परिषद, निजी भागीदारों के साथ, एक साथ डेढ़ दर्जन से अधिक आवासीय परियोजनाओं पर काम कर रही है। इसमें, निजी डेवलपर अपने खर्च पर EWS श्रेणी आवास तैयार करेगा, जो सरकार पहचाने गए लाभार्थियों को देगी।परिषद ने काशीपुर और सितारगंज में ऐसी दो परियोजनाओं पर भी काम शुरू किया है। उनके लिए बुकिंग भी शुरू हो गई है। अन्य परियोजनाओं की औपचारिकताएं भी पूरी हो चुकी हैं, जिस पर आगामी नवरात्रि में काम शुरू होगा। अतिरिक्त आयुक्त हाउसिंग पीसी डुमका के अनुसार, इसमें कुल 17304 फ्लैट शामिल हैं।एक फ्लैट की लागत से साढ़े छह लाख रुपये खर्च होते हैं। इसमें सरकार 2.5 लाख रुपये की सब्सिडी प्रदान कर रही है। इस तरह, एलोटी को ईडब्ल्यूएस हाउसिंग के लिए कुल साढ़े तीन लाख रुपये का भुगतान करना होगा। इसके लिए, बैंकों से होम लोन सुविधा भी प्रदान की जा रही है। लाभार्थियों को संबंधित निकाय के स्तर से चुना जाएगा।

रजिस्ट्री महिलाओं के नाम पर की जाएगी

उत्तराखंड आवास विकास परिषद की स्थिति के अनुसार, सालाना तीन लाख रुपये से कम पारिवारिक आय वाले आवास रहित परिवार इस योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रत्येक फ्लैट का कवर क्षेत्र 25.25 वर्गमीटर होगा। फ्लैट की रजिस्ट्री महिला के नाम पर होगी। परिवार में एक वयस्क महिला नहीं होने की स्थिति में, पुरुष सदस्यों का नाम पंजीकृत किया जाएगा। आवंटन के बाद, कोई फ्लैट दस साल तक नहीं बेचा जाएगा।

परियोजना इन शहरों में है

हरिद्वार रुड़की जसपुर रामनगर रुद्रपुर गदरपुर सितारंगज काशीपुर मंगलौर किचामहु आखेडा

इंजीनियर बना चोर, देहरादून आया था चोरी करने

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चोरी की घटनाओं को अंजाम देने के लिए हापुड़ (उत्तर प्रदेश) के चार युवक देहरादून आए थे। आरोपियों ने यहां एक घर को भी निशाना बनाया था। इसके बाद वह दूसरे अपराध के आसान शिकार की तलाश में शहर में घूम रहा था। इससे पहले कि यह गिरोह दूसरी वारदात को अंजाम दे पाता, पटेल नगर कोतवाली पुलिस ने गिरोह का भंडाफोड़ कर उसके चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया. आरोपियों के पास से भारी मात्रा में चोरी के जेवर बरामद हुए हैं। आरोपियों में एक इंजीनियर है, उसने बी.टेक की पढ़ाई की है।

आपको बता दे चार आरोपी आशीष बीटेक पास है। नौकरी नहीं मिलने के कारण वह मजदूरी करता था। शाहरुख उनके पुराने दोस्त हैं। शाहरुख ने आशीष को कम समय में ज्यादा पैसे दिलाने का लालच देकर अपनी चोरी की योजना में फंसाया। शाहरुख खुद भी पिलखुवा के एक निजी संस्थान में बीएससी प्रथम वर्ष के छात्र हैं। वह पहले भी चोरी और डकैती के आरोप में जेल जा चुका है।

पूरा मामला बताइए तो पटेल नगर में सेवलखुर्द में ब्रह्मलोक कॉलोनी के निवासी अलोक भार्गव ने 19 सितंबर को सदन में चोरी की शिकायत दर्ज की। 5 सितंबर को उनके पिता का निधन हो गया, जिसके कारण वह अपने मूल निवास ऋषिकेश में गए। जब वह 19 सितंबर को लौटा, तो घर का ताला टूट गया। घर से दो सोने के कंगन, दो हार, तीन रिंग और चार झुमके चोरी हो गए। इस मामले में, पटेल नगर कोतवाली के इंस्पेक्टर सूर्यबुशान नेगी ने अज्ञात के खिलाफ एक मामला दायर किया और आईएसबीटी पोस्ट के -चार्ज में लोकेंद्र बाहुगुना को जांच सौंपी।जब पुलिस ने घटनास्थल के चारों ओर स्थापित सीसीटीवी कैमरों की तलाशी ली, तो इसमें चार संदिग्धों को देखा गया। उनकी पहचान मंगलवार को चंद्रबानी रोड पर की गई और उन्हें पकड़ा गया। आरोपी को लगभग सात लाख रुपये चुराए गए गहने भी मिले। अभियुक्तों की पहचान आशीष कश्यप, रोहित तोमर, शाहरुख और तरुण शर्मा के रूप में की गई। सभी हापुर के निवासी हैं।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा